डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

Doctor Harisingh Gour Vishwavidyalaya, Sagar (M.P.)

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय / A Central University)

प्रतिवेदन

33 वाँ दीक्षांत समारोह
Convocation
2 0 2 5

एवं

नवीन भवनों का लोकार्पण

- आचार्य सुश्रुत भवन
- आचार्य पी. सी. रे भवन
- स्वदेशी भवन

वसुधैव कुटुम्बकम्

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

के

कुलपति,

कार्यपरिषद्, विद्यापरिषद् के सदस्यगण एवं विश्वविद्यालय परिवार

33वें दीक्षांत समारोह

के अवसर पर आषाढ़ कृष्णपक्ष दशमी, विक्रम संवत् 2082 तद्नुसार
20 जून 2025, शुक्रवार, पूर्वाह्न 10.30 बजे आपको सादर आमंत्रित करते हैं

मुख्य अतिथि द्वारा दीक्षांत भाषण

श्री नितिन जयराम गडकरी

माननीय मंत्री, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार

विशिष्ट अतिथि

श्री राजेन्द्र शुक्ल

माननीय उपमुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश शासन

गौर अतिथि

डॉ. (श्रीमती) लता वानखेड़े

माननीय सांसद
सागर लोकसभा क्षेत्र

श्री गोविंद सिंह राजपूत

माननीय मंत्री, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति व
उपभोक्ता मामले मंत्रालय, मध्यप्रदेश शासन

इस अवसर पर

राघवीयो जगदगुरू स्वामी रामभद्राचार्य जी

को डॉक्टर ऑफ लिट्रेचर (डी. लिट्.) की मानद् उपाधि प्रदान की जायेगी

अध्यक्षता

श्री कन्हैया लाल बेरवाल आई.पी.एस. (से.नि.)

कुलाधिपति
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुति

प्रो. नीलिमा गुप्ता

कुलपति
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

कार्यक्रम स्थल - गौर प्रांगण, विश्वविद्यालय परिसर

कुलसचिव

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

अपने कर्तव्य का निष्ठापूर्वक निर्वहन करें यही सबसे बड़ा धर्म है- पद्म विभूषण जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य

मानवीय मूल्यों, धार्मिक और सामाजिक आदर्शों को आत्मसात करना ही शिक्षा का उद्देश्य है -केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी

विश्वविद्यालय के 33वें दीक्षांत समारोह में बुन्देली वेश-भूषा में विद्यार्थियों ने प्राप्त की उपाधियाँ

डॉक्टर हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय, सागर का 33वां दीक्षांत समारोह 20 जून 2025 को गौर प्रांगण में अपरान्ह 12.00 बजे से आयोजित किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री नितिन गडकरी, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री, भारत सरकार, विशिष्ट अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश के उपमुख्य मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल, गौर अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत एवं सागर लोक सभा क्षेत्र की सांसद डॉ. लता वानखेड़े समारोह में सम्मिलित हुए. समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कन्हैया लाल बेरवाल ने की. देवी सरस्वती एवं डॉ. गौर के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन के साथ समारोह की शुरुआत हुई. विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया.

विश्वविद्यालय ने पद्म विभूषण जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी को प्रदान की मानद डी. लिट्. उपाधि

इस अवसर पर प्रख्यात मनीषी, रचनाकार, साहित्य एवं संस्कृत मर्मज्ञ, समाजसेवी पद्म विभूषण जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी को विश्वविद्यालय द्वारा मानद डी. लिट्. उपाधि प्रदान की गई. कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने यह उपाधि प्रदान की और उन्हें प्रशस्ति पत्र भेंट किया. प्रशस्ति-पत्र का वाचन डॉ. शालिनी ने किया.

भव्यता के साथ पुस्तकालय परिसर से निकली विद्वत शोभायात्रा

कार्यक्रम में लोकवाद्य एवं मंगलाचरण के साथ अकादमिक विद्वत शोभायात्रा समारोह स्थल तक पहुँची. प्रभारी कुलसचिव डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय ने विश्वविद्यालय ध्वज के साथ शोभायात्रा की आगवानी की. इसमें विश्वविद्यालय कुलाधिपति, मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, गौर अतिथि, कुलपति, कार्यपरिषद एवं विद्यापरिषद के सदस्य सम्मिलित हुए.

अपने कर्तव्य का निष्ठापूर्वक निर्वहन करें यही सबसे बड़ा धर्म है- पद्म विभूषण जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य

पद्म विभूषण जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी ने आशीर्वचन देते हुए उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की. उन्होंने कहा कि दीक्षांत का अर्थ दीक्षा का अंत नहीं है बल्कि यह एक सुनहरे भविष्य की शुरूआत है. उन्होंने भारतीय भाषा के महत्त्व को

रेखांकित करते हुए कहा कि उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को राष्ट्र के लिए समर्पित होना चाहिए. प्रत्येक भारतीय के मन में मेलजोल, भाईचारा और समरसता की भावना होनी चाहिए. यही दीक्षा का अर्थ है. उन्होंने राष्ट्र के लिए कार्य करने पर बल देते हुए कहा कि भारत सोने की चिड़िया ही नहीं सोने का सिंह बनेगा. जिस क्षेत्र में भी कार्य करें अपना सर्वश्रेष्ठ दें. अपने कर्तव्य का निर्वहन करें. यही सबसे बड़ा धर्म है. उन्होंने श्री मद भागवत गीता का उदाहरण देते हुए कहा कि कर्म करिए. फल

की चिंता मत करिये. प्रत्येक भारतीय को निष्ठा से कार्य करना चाहिए. इसी से व्यक्ति की प्रतिष्ठा होगी. उन्होंने युवाओं से अपील की कि हमें नया इतिहास रचना है. नवाचार करना है और अत्याचार, भ्रष्टाचार, कदाचार को जड़ से समाप्त करना है. ऑपरेशन सिन्दूर के माध्यम से भारत ने पूरे विश्व को एक सन्देश दिया है कि भारत अब महाशक्ति है. कोई इसकी तरफ बुरी नजर से आँख उठाकर नहीं देख सकता. इसीलिये मैं कहता हूँ कि बेटियां लक्ष्मीबाई बनें और बेटे शिवाजी और राणा प्रताप बनें. मैं विद्यार्थियों से राष्ट्र के लिए कार्य करने का कामना के साथ उन्हें शुभकामनाएं देता हूँ.

मानवीय मूल्यों, धार्मिक और सामाजिक आदर्शों को आत्मसात करना ही शिक्षा का उद्देश्य है -केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी

समारोह के मुख्य अतिथि श्री नितिन गडकरी, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री, भारत सरकार ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से दीक्षांत भाषण देते हुए कहा कि दीक्षांत विद्यार्थियों के जीवन का सबसे महत्त्वपूर्ण अवसर होता है. इस विवि के विद्यार्थी भाग्यशाली हैं जिन्हें डॉ. गौर द्वारा दान की गई संपत्ति से बने विश्वविद्यालय में अध्ययन करने का मौका मिला. उन्होंने पदक एवं उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को जीवन में सदैव बेहतर कार्य करने की प्रेरणा देते हुए कहा कि शिक्षा से व्यक्ति

ज्ञानवान बनता है. हमारे देश की विशेषता रही है कि भारतीय ज्ञान परंपरा ने पूरे विश्व को हमेशा

आलोकित किया है. हमारी संस्कृति, हमारी विरासत, ज्ञान एवं विज्ञान हमारी विशेषता है. हमें आज विज्ञान और नवाचार के जरिये समाज को बदलना है. उन्होंने कहा कि भगवान् बुद्ध ने अहिंसा का मार्ग दिखलाया था. भारतीय ऋषियों मुनियों ने धर्म के मार्ग पर चलना सिखाया है. मानवीय मूल्यों, धार्मिक आदर्शों, सामाजिक आदर्शों, त्याग, तपस्या, संस्कार, समन्वय, सौहार्द इन सभी मूल्यों को आत्मसात करना शिक्षा का उद्देश्य है. हम इसी रास्ते आदर्श समाज का निर्माण कर सकते हैं. भारत का मन्त्र सदैव विश्व का कल्याण रहा है. यही हमारी संस्कृति है. स्वामी विवेकानंद, आंबेडकर, गांधी,

फुले जैसे विचारकों के विचारों के साथ हमें 21वीं सदी के भारत का निर्माण करना है. उन्होंने कहा कि चरित्र ही व्यक्ति की पहचान है. शिक्षा के माध्यम से ही चरित्र का निर्माण किया जा सकता है. हमें फ्यूचरिस्टिक विजन के साथ प्रत्येक क्षेत्र में कार्य करना है. ऐसा हमारे प्रधानमंत्री जी का भी सपना है. बेस्ट टेक्नोलॉजी हमारे देश में विकसित हो, दुनिया में जो कुछ अच्छा है वो भारत में भी हो, यही हमारा प्रयास है. उन्होंने सीएनजी, बायोफ्यूल, इथेनोल, ग्रीन टेक्नोलॉजी जैसे नवाचारी प्रयोगों के माध्यम से विकसित भारत के निर्माण के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया. उन्होंने कहा की हमें स्मार्ट

शहर के साथ स्मार्ट विलेज भी बनाना है. गाँवों का विकास करना है, स्वास्थ्य सुविधाएं बेहतर करनी हैं, किसानों को फसल का सही भाव मिले, यह सब करने की इच्छाशक्ति होनी चाहिए. और यह सब करने के लिए शिक्षा, अनुभव और संशोधन के साथ करना है. आप युवा हैं, देश का भविष्य हैं. आप जीवन में समाज के गरीब तबके, मजदूर, किसानों के लिए काम करें. उन्होंने कहा कि जो मनुष्य के लिए काम करे वही मनुष्य है. उन्होंने भारत को शक्तिशाली बनाने के लिए कार्य करने पर जोर देते हुए कहा कि शक्ति संपन्न व्यक्ति ही सौहार्द ला सकता है. शक्ति इसलिए नहीं कि अपने साम्राज्य का विस्तार करने के

लिए बल्कि इसलिए जिससे न्याय की रक्षा हो सके, धर्म की रक्षा हो सके, शक्ति का उपयोग लोक कल्याण में हो सके, विश्व कल्याण में हो सके.

विद्यार्थी मानवीय मूल्यों के साथ स्वयं को जनकल्याणकारी कार्यों में लगायें- कुलाधिपति

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कन्हैयालाल बेरवाल ने अध्याक्षीय उद्बोधन देते हुए कहा कि उपाधि मिलना किसी भी विद्यार्थी के जीवन का सबसे सुखद क्षण होता है. विद्या से ही व्यक्ति योग्य बनता है.

उन्होंने कहा कि हम कोई भी कार्य करें अपने धर्म का ध्यान रखें. धर्म का मतलब मानवीय मूल्यों के साथ समाज के कल्याण में स्वयं को लगाना. आप अपने भावी जीवन में अपनी भारतीय विचार संस्कृति के साथ जीवन चलायें. आपके योगदान से देश आगे बढ़ेगा. देश के लिए कार्य करें. यही आपकी शिक्षा की सबसे बड़ी उपलब्धि है. शिक्षा के साथ संस्कार एवं पात्रता अति आवश्यक है तभी व्यक्ति को सफलता मिलती है. पाश्चात्य संस्कृति से दूर रहकर भारतीय संस्कृति के आदर्शों एवं विचारकों के पथ के अनुगामी बनें.

विद्यार्थी समाज के उत्थान के लिए शिक्षा का सदुपयोग करें- उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल

विशिष्ट अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश के उपमुख्य मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह इक्कीसवीं सदी का भारत है. हम विश्व की तीसरी सबसे बड़ी इकॉनोमी बनने जा रहे हैं. भारत 2047 तक सबसे बड़ी शक्ति के रूप में उभरेगा. यही नया भारत है. भारत विश्व बंधुत्व और वसुधैव कुटुम्बकम की संकल्पना पर कार्य करने वाला राष्ट्र है. आप सभी इस देश के लिए कार्य करें. आप सबके सामने सुनहरा भविष्य है. शिक्षा का समाज के उत्थान के लिए सदुपयोग करें.

दीक्षांत का यह अवसर भावुकता, खुशी और आत्मविश्वास का क्षण है - मंत्री गोविन्द सिंह

गौर अतिथि गोविन्द सिंह राजपूत ने कहा कि आज का दिन बहुत ही भावुकता का का दिन है जिनको डिग्री मिल रही है बह बहुत ही भाग्यशाली है. एक ज़माने में लोग कहते थे कि यहाँ स्याही नहीं

मिलती थी. डॉ. गौर ने इस विश्वविद्यालय की स्थापना की. मेरे छात्र जीवन में यहाँ कभी दीक्षांत

समारोह नहीं हुआ करता था. आप भाग्यशाली हैं कि आप एक इतने बड़े और भव्य आयोजन का हिस्सा बन रहे हैं. उन्होंने डॉ. गौर के बारे में लिखी गई कवी मैथिली शरण गुप्त की पंक्तियों का भी उल्लेख किया. उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय का नाम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर था, है और रहेगा. उन्होंने कहा कि आप सभी ज्ञान प्राप्त करने के साथ ही साथ देश एवं समाज की सेवा करने का संकल्प लें और देश का नाम रोशन करें.

विद्यार्थी जहाँ भी रहें अपने विश्वविद्यालय और शिक्षकों का मान बढ़ाएं- डॉ. लता वानखेड़े

गौर अतिथि सागर लोक सभा क्षेत्र की सांसद डॉ. लता वानखेड़े ने सभी विद्यार्थियों को उपाधि एवं पदक प्राप्त करने की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विद्यार्थी जहाँ भी रहें अपने विश्वविद्यालय और शिक्षकों का मान बढ़ाएं. जहाँ भी रहें अपने मूल्यों को न खोएं. समाज व राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों का पालन करें. जिज्ञासु बनें. तकनीक का सदुपयोग करें. सफलता केवल पद से नहीं, योगदान से मापी जाती है. अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान राष्ट्र को समर्पित करें.

डॉ. गौर विश्वविद्यालय भारत केंद्रित ज्ञान संस्थान के रूप में लगातार प्रगति कर रहा है- कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए शिक्षकों, विद्यार्थियों की उपलब्धियों को रेखांकित किया. उन्होंने विश्वविद्यालय के नवीन छात्रावासों, अकादमिक भवनों, प्रयोगशालाओं, होटल मैनेजमेंट, इंजीनियरिंग, शारीरिक-शिक्षा जैसे नवीन पाठ्यक्रमों और शैक्षणिक समझौतों का

उल्लेख करते हुए विश्वविद्यालय की अकादमिक एवं अधोसंरचनात्मक प्रगति को साझा करते हुए कहा कि आज विश्वविद्यालय राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर के शैक्षिणक मानकों पर अपनी प्राचीन भारतीय विरासत को संजो का आगे बढ़ रहा है. उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय भारत केंद्रित ज्ञान संस्थान के रूप में लगातार आगे बढ़ रहा है. उन्होंने कहा कि हम अपनी गौरवपूर्ण यात्रा को समय एवं समाज के तारतम्य के साथ-साथ आगे बढ़ा रहें है. विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुपालन में अपना श्रेष्ठ योगदान दे रहा है. राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा एवं अनुसन्धान हेतु माननीय प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में चलाये जा रहे विभिन्न नवोन्मेषी एवं गुणवत्तापूर्ण योजनाओं को विश्वविद्यालय में क्रियान्वित कर रहा है जिसके तहत एकेडमिक बैंक आफ क्रेडिट की स्थापना, डिग्रियों का डिजीलाकर में अपलोड, भारतीय ज्ञान परम्परा एवं भारतीय संस्कृति एवं मूल्यों से सम्बंधित पाठ्यक्रमों का सञ्चालन, राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय प्रदर्शन, स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रम, कौशल विकास और रोजगारपरक पाठ्यक्रमों के संचालन जैसे महत्त्वपूर्ण कार्य कर रहा है.

कार्यक्रम का संचालन डॉ. शालनी चौइथरानी ने किया. दीक्षांत की औपचारिक कार्यवाही प्रभारी कुलसचिव डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय ने संचालित की और आभार व्यक्त किया. राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ. कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, उपाधि पाने वाले विद्यार्थी, पत्रकारगण, सागर जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारीगण, शहर के सम्माननीय नागरिक गण उपस्थित रहे.

विभिन्न अध्ययनशालाओं के मेधावी विद्यार्थियों को अतिथियों ने प्रदान किये स्वर्ण पदक एवं प्रमाण पत्र

विश्वविद्यालय के विभिन्न अध्ययनशालाओं के मेधावी विद्यार्थियों को अतिथियों ने स्वर्ण पदक और प्रमाण-पत्र प्रदान किया. इस दीक्षांत समारोह के लिए 1225 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया था जिसमें स्नातक के 482 , पीजी 426 एवं पीएच.डी. के 49 छात्रों सहित कुल 957 छात्रों ने उपस्थित होकर उपाधि प्राप्त की. इसके अतिरिक्त शेष विद्यार्थियों को 'इन अब्सेंशिया' उपाधि प्रदान की गई.

अतिथियों ने किया तीन नवीन भवनों का किया लोकार्पण

दीक्षांत समारोह के अवसर पर अतिथियों द्वारा मंच से विश्वविद्यालय के तीन नवीन भवनों आचार्य सुश्रुत भवन, आचार्य पी. सी. रे भवन एवं स्वदेशी भवन का लोकार्पण किया गया.

डिजीलाकर पर भी रिलीज हुई उपाधि, स्मारिका का किया, विमोचन समारोह का हुआ लाइव प्रसारण

सभी विद्यार्थियों की डिग्री डिजीलाकर पर भी रिलीज हुई. अतिथियों ने दीक्षांत स्मारिका का भी विमोचन किया. दीक्षांत समारोह के सम्पूर्ण कार्यक्रम का लाइव प्रसारण विश्वविद्यालय के ईएमआरसी सागर के यूट्यूब चैनल से किया गया. देश के कई हिस्सों से जो विद्यार्थी सहभागिता नहीं कर सके साथ ही उनके अभिभावकों ने लाइव प्रसारण देखा.

अतिथियों ने गौर समाधि पर पहुँच कर दी पुष्पांजलि

दीक्षांत समारोह के आरम्भ होने से पूर्व अतिथियों ने गौर समाधि पहुंचकर पर डॉ. गौर को पुष्पांजलि अर्पित की.

एनसीसी कैडेट्स ने किया बैठक व्यवस्था में सहयोग

दीक्षांत समारोह के आयोजन में विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स और अनुशासन व्यवस्था समिति के सदस्यों ने सहयोग किया.

दीक्षांत समारोह छायाचित्र

Doctor Harisingh Gour Vishwavidyalaya
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय / A Central University)
Convocation
June 2025

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
Doctor Harisingh Gour Vishwavidyalaya, Sagar (M.P.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय / A Central University)
20 जून 2025

दीक्षांत समारोह
शुक्रवार, 20 जून 2025

June 2025
33rd Convocation

दीक्षांत समारोह

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
Doctor Harisingh Gour Vishwavidyalaya, Sagar (M.P.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय / A Central University)

U.
G.

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
Doctor Harisingh Gour Vishwavidyalaya, Sagar (M.P.)
33rd
दीक्षांत समारोह
शुक्रवार, 20 जून 2025
33rd
Convocation
Friday, 20th June 2025

समाचारों में दीक्षांत समारोह 2025

विश्वविद्यालय का 33वां दीक्षांत समारोह 20 जून को केंद्रीय कैबिनेट मंत्री नितिन गडकरी होंगे शामिल

17, 18 एवं 19 जून को मिलेगी डिग्री फाइल और ड्रेस सामग्री, 18 एवं 19 को होगा रिहर्सल

सागर दिनकर

सागर/बांदा

विश्वविद्यालय का 33वां दीक्षांत समारोह 20 जून को, केंद्रीय कैबिनेट मंत्री नितिन गडकरी होंगे मुख्य अतिथि

विश्वविद्यालय का 33वां दीक्षांत समारोह 20 जून को
तीन नवीन भवनों का होगा लोकार्पण

जागरण, सागर। डॉ.हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय का 33वां दीक्षांत समारोह 20 जून को आयोजित किया जा रहा है। दीक्षांत समारोह के अवसर पर अतिथियों द्वारा विश्वविद्यालय के तीन नवीन भवनों आचार्य सुश्रुत भवन, आचार्य पीसी रे भवन एवं स्वदेशी भवन का लोकार्पण किया जाएगा। दीक्षांत समारोह के आयोजन को दृष्टिगत रखते हुए विवि सुरक्षा विभाग और जिला पुलिस प्रशासन की आवश्यक बैठक संपन्न हुई ...

... के 426, यूजी के 482 तथा पीएचडी के 49 ... 957 छात्र समारोह में उपस्थित रहकर ... समारोह विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण ... आयोजित किया जाएगा। 33वें दीक्षांत ... नितिन गडकरी केंद्रीय सड़क परिवह... सरकार होंगे।

विशिष्ट अतिथि के रूप में ... राजेन्द्र शुक्ल एवं गौर अतिथि ...

विश्वविद्यालयः दीक्षांत समारोह के आयोजन की तैयारियां शुरू, 20 जून को होगा आयोजन

18 एवं 19 जून को भी मिलेगी डिग्री फाइल और ड्रेस सामग्री, गौर प्रांगण में होगा पूर्वाभ्यास

दीक्षांत समारोह के लिए डिग्री फाइल वितरण शुरू, आज और कल रिहर्सल

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय का 33वां दीक्षांत समारोह 20 जून को गौर प्रांगण में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के मुख्यातिथ्य में होने जा रहा है। इसकी तैयारियों को लेकर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विभिन्न समन्वयकों के साथ आयोजन स्थल का निरीक्षण किया और जरूरी निर्देश दिए। समारोह में पद्म विभूषण जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्यजी को विश्वविद्यालय द्वारा मानद डीलिट उपाधि दी जाएगी। अतिथियों द्वारा विश्वविद्यालय के तीन नवीन भवनों का लोकार्पण भी किया जाएगा। दीक्षांत समारोह के लिए 1225 विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया है। पीजी के 426, यूजी के 482 तथा पीएचडी के 49 विद्यार्थियों सहित कुल 957 छात्र समारोह में उप...

भाग लेने वाले पंजीकृत विद्यार्थियों को गौर प्रांगण से डिग्री फाइल और दीक्षांत पोशाक क... किया जा रहा है। पहले दिन 150 विद... डिग्री फाइल और ड्रेस सामग्री (पग... स्टॉल) प्राप्त की। 18 एवं 19 जून को भी 11 से शाम 4 बजे तक दीक्षांत सामग्री और ... फाइल वितरित की जाएगी। मुख्य समन्वयक... नवीन कानगो ने बताया निर्धारित ड्रेस ... (छात्र- सफेद कुर्ता और पायजाम... छात्राएं-सफेद सलवार और कुर्ता) की व्यवस...

दीक्षांत समारोह की तैयारियां शुरू

...यारियों की जानकारी ली। सफल आयोजन हेतु उन्होंने आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। गौरतलब है कि 33वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि नितिन गडकरी, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री, भारत सरकार होंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश के उपमुख्य मंत्री राजेन्द्र शुक्ल एवं गौर अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत जी, सागर लोक सभा क्षेत्र की सांसद डॉ लता वानखेड़े समारोह में सम्मिलित होंगी। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कन्हैया लाल बेरवाल करेंगे। इस अवसर पर हमारे समय के प्रख्यात मनीषी, रचनाकार, साहित्य एवं संस्कृत मर्मज्ञ, समाजसेवी पद्म विभूषण जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी को विश्वविद्यालय द्वारा मानद डी. लिट्. उपाधि प्रदान की जाएगी। दीक्षांत समारोह के अवसर पर अतिथियों द्वारा विश्वविद्यालय के तीन नवीन भवनों आचार्य सुश्रुत भवन, आचार्य पीसी रे भवन एवं स्वदेशी भवन का लोकार्पण किया जाएगा।

दीक्षांत समारोह | **विवि के 63 दीक्षांत समारोह की तैयारियां शुरू, गौर प्रागंण में तैयार हो रहा पंडाल, मुख्य अतिथि होंगे केंद्रीय मंत्री गडकरी**

पद्म विभूषण जगदगुरु स्वामी रामभद्राचार्य को मानद डी .लिट उपाधि मिलेगी

नवभारत न्यूज सागर 17 जून. डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय के 33वें दीक्षांत समारोह की तैयारियां जोरों पर हैं।

यह समारोह 20 जून को विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में आयोजित किया जा रहा है. तैयारियों को लेकर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विभिन्न समन्वयकों के साथ आयोजन स्थल का निरीक्षण किया और अन्य तैयारियों की जानकारी ली.

उन्होंने दिशा-निर्देश दिए. गौरतलब है कि 33वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि नितिन गडकरी, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री होंगे. विशिष्ट अतिथि मप्र उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल एवं गौर अतिथि खाद्य मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत, सांसद डॉ. लता वानखेड़े समारोह में सम्मिलित होंगे. अध्यक्षता कुलाधिपति श्री कन्हैया लाल बेरवाल करेंगे.

इस अवसर पर हमारे समय के प्रख्यात मनीषी, रचनाकार, साहित्य और संस्कृत मर्मज्ञ, समाजसेवी पद्म विभूषण जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी को विश्वविद्यालय द्वारा मानद डी. लिट्. उपाधि प्रदान की जाएगी. दीक्षांत समारोह के अवसर पर अतिथियों द्वारा विश्वविद्यालय के तीन नवीन भवनों आचार्य सुश्रुत भवन, आचार्य पी. सी. रे भवन एवं स्वदेशी भवन का लोकार्पण किया जाएगा. दीक्षांत हेतु कुल 1225 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया है. पीजी के 426, यूजी के 482 तथा पीएच.डी. के 49 छात्रों सहित कुल 957 छात्र समारोह में उपस्थित रहकर उपाधि प्राप्त करेंगे. समारोह विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में भव्यता के साथ आयोजित किया जाएगा. पहले दिन करीब 150 विद्यार्थियों ने डिग्री फाइल और ड्रेस सामग्री (पगड़ी और स्टोल) प्राप्त की. 18 एवं 19 जून को भी सुबह 11.00 बजे से शाम 4.00 बजे के बीच दीक्षांत सामग्री और डिग्री फाइल वितरित की जाएगी. मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने बताया निर्धारित ड्रेस कोड की व्यवस्था अभ्यर्थियों को स्वयं करनी होगी. विश्वविद्यालय द्वारा स्टोल एवं बुंदेली सतरंगी पगड़ी उपलब्ध करायी जाएगी.

सागर दिनकर | दमोह | गुरुवार | 19.06.2025

कुलपति, कार्यपरिषद एवं विद्यापरिषद सदस्यों सहित मेडल पाने वाले विद्यार्थियों ने किया रिहर्सल

19 जून को भी होगा दीक्षांत सामग्री का वितरण, रिहर्सल

गौर प्रांगण में दीक्षांत रिहर्सल का आयोजन

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के मुख्य आतिथ्य में कार्यक्रम कल, तीन भवन होंगे लोकार्पित

नवभारत न्यूज

सागर 18 जून. डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय का 33वां दीक्षांत समारोह 20 जून को आयोजित किया जा रहा है. दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाले विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अधिकारियों ने विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में दीक्षांत रिहर्सल में भाग लिया. इस दौरान विद्वत शोभायात्रा सहित मेडल प्रदान किए जाने की पूरी प्रक्रिया के संचालन का ...

गौरतलब है कि विवि का 33वां दीक्षांत समारोह 20 जून को गौर प्रांगण में आयोजित किया जा रहा है जिसकी तैयारियां जोरों पर हैं. मुख्य अतिथि नितिन गडकरी, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री होंगे. दीक्षांत समारोह के अवसर पर अतिथियों द्वारा विश्वविद्यालय के तीन नवीन भवनों ...

सागर | 7

सागर दिनकर | दमोह | शनिवार | 21.06.2025

मौसम के कारण नहीं पहुंचे केंद्रीय मंत्री, वर्चुअल संबोधन दिया

मानवीय मूल्यों, धार्मिक और सामाजिक आदर्शों को आत्मसात करना ही शिक्षा का उद्देश्य है : केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी

विश्वविद्यालय का 33वाँ दीक्षांत समारोह संपन्न

मानवीय मूल्यों, धार्मिक और सामाजिक आदर्शों को आत्मसात करना ही शिक्षा का उद्देश्य है: नितिन गडकरी

अपने कर्तव्य का निष्ठापूर्वक निर्वहन करें यही सबसे बड़ा धर्म है: पद्म विभूषण जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय, सागर का 33वां दीक्षांत समारोह गौर प्रांगण में अपरान्ह 12 बजे से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नितिन गडकरी, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री, भारत सरकार, विशिष्ट अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश के उपमुख्य मंत्री राजेन्द्र शुक्ल ...

रामभद्राचार्य जी को विश्वविद्यालय द्वारा मानद डी. लिट्. उपाधि प्रदान की गई. कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने यह उपाधि ...

विवि का 33वां दीक्षांत समारोह संपन्न, बुन्देली वेश भूषा में विद्यार्थियों ने प्राप्त की उपाधियां

दीक्षांत का अर्थ दीक्षा का अंत नहीं है बल्कि यह सुनहरे भविष्य की शुरूआत: रामभद्राचार्य जी

मेधावी विद्यार्थियों को अतिथियों ने प्रदान किए स्वर्ण पदक एवं प्रमाण पत्र

भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए हर क्षेत्र में विकास जरूरी: केंद्रीय मंत्री गडकरी

जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य को डी.लिट

विवि के 33वें दीक्षांत समारोह में मंचासीन अतिथियों ने उपाधि प्रदान की, बारिश के कारण केंद्रीय मंत्री वर्चुअल शामिल हुए

नवभारत न्यूज

सागर 20 जून. डॉक्टर हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय का 33 वां दीक्षांत समारोह गौर प्रांगण में संपन्न हुआ. इस अवसर पर पद्म विभूषण जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य को विश्वविद्यालय द्वारा मानद डी.लिट उपाधि प्रदान की गई. कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने यह उपाधि प्रदान की और उन्हें प्रशस्ति पत्र भेंट किया. प्रशस्ति-पत्र का वाचन डॉ. शालिनी ने किया. स्वामी रामभद्राचार्य ने कहा कि दीक्षांत का अर्थ दीक्षा का अंत नहीं है बल्कि यह एक सुनहरे भविष्य की शुरुआत है. उन्होंने कहा कि उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को राष्ट्र के लिए समर्पित होना चाहिए. प्रत्येक भारतीय के मन में मेलजोल, भाईचारा और समरसता की भावना होनी चाहिए, यही दीक्षा का अर्थ है. उन्होंने राष्ट्र के लिए ...

समारोह के मुख्य अतिथि केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री, नितिन गडकरी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कहा कि दीक्षांत विद्यार्थियों के जीवन का सबसे महत्वपूर्ण अवसर होता है. उन्होंने कहा कि चरित्र ही व्यक्ति की पहचान है. शिक्षा के माध्यम से ही चरित्र का निर्माण किया जा सकता है. विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कन्हैयालाल बेरवाल ने अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए कहा कि उपाधि मिलना किसी भी विद्यार्थी के जीवन का सबसे सुखद क्षण होता है. विद्या से ही व्यक्ति योग्य बनता है. ...

सागर-दमोह

दैनिक जागरण | 21 जून 2025 | www.dainikjagranmpcg.com

अपने कर्तव्य का निष्ठापूर्वक निर्वहन सबसे बड़ा धर्म : स्वामी रामभद्राचार्य

वर्चुअल शामिल हुए केंद्रीय मंत्री गडकरी

विश्वविद्यालय का 33वां दीक्षांत समारोह संपन्न, वर्चुअल शामिल हुए केंद्रीय मंत्री गडकरी

जागरण, सागर। अपने कर्तव्य का निष्ठापूर्वक निर्वहन करें, यही सबसे बड़ा धर्म है। दीक्षांत का अर्थ दीक्षा का अंत नहीं है बल्कि यह एक सुनहरे भविष्य की शुरुआत है। प्रत्येक भारतीय के मन में मेलजोल, भाईचारा और समरसता की भावना होनी चाहिए, यही दीक्षा का अर्थ है। ...

हम सभी डॉ. गौर के मानस पुत्र : राजपूत

दैनिक दबंग बुन्देलखण्ड | सागर | टीकमगढ़, शनिवार 21 जून 2025 | 2

मानवीय मूल्यों, धार्मिक और सामाजिक आदर्शों को आत्मसात करना ही शिक्षा का उद्देश्य है : केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी

अपने कर्तव्य का निष्ठापूर्वक निर्वहन करें यही सबसे बड़ा धर्म है : पद्म विभूषण जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य

- विद्यार्थी मानवीय मूल्यों के साथ स्वयं को जनकल्याणकारी कार्यों में लगायें- कुलाधिपति
- विद्यार्थी समाज के उत्थान के लिए शिक्षा का सदुपयोग करें- उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल
- विश्वविद्यालय का 33वाँ दीक्षांत समारोह संपन्न, बुन्देली वेश-भूषा में विद्यार्थियों ने प्राप्त की उपाधियाँ

पद्म विभूषण जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य

विश्वविद्यालय ने पद्म विभूषण जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी को प्रदान की मानद डी. लिट्. उपाधि

भव्यता के साथ पुस्तकालय परिसर से निकली विद्वत शोभायात्रा

विद्यार्थी जहाँ भी रहें अपने विश्वविद्यालय और शिक्षकों का मान बढ़ाएं- डॉ. लता वानखेड़े

विद्यार्थी समाज के उत्थान के लिए शिक्षा का सदुपयोग करें- उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल

डॉ. गौर विश्वविद्यालय भारत केंद्रित ज्ञान संस्थान के रूप में लगातार प्रगति कर रहा है- कुलपति

दीक्षांत का यह अवसर भावुकता, खुशी और आत्मविश्वास का क्षण है - मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत

विद्यार्थी मानवीय मूल्यों के साथ स्वयं को जनकल्याणकारी कार्यों में लगायें- कुलाधिपति

विभिन्न अध्ययनशालाओं के मेधावी विद्यार्थियों को अतिथियों ने प्रदान किये स्वर्ण पदक एवं प्रमाण पत्र

अतिथियों ने किया तीन नवीन भवनों का लोकार्पण

सागर प्राइम | पत्रिका | सागर, शनिवार, 21 जून, 2025 | 02

उत्साह के साथ मनाया गया डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय का 33 वां दीक्षांत समारोह

बुंदेली वेशभूषा में विद्यार्थियों ने प्राप्त की उपाधि, खिले चेहरे

'डॉ. गौर ने अपनी पूरी कमाई दान कर शिक्षा के क्षेत्र में लगाई'

रामभद्राचार्य ने कहा- एक व्रत लें... जब तक पीओके नहीं, तब तक विश्राम नहीं

पहले भारत माता को प्रणाम करूंगा, फिर भगवान राम को

दीक्षांत का यह अवसर छात्र-छात्राओं के लिए आत्मविश्वास का क्षण : मंत्री राजपूत

'विद्यार्थी स्वयं को जनकल्याणकारी कार्यों में लगाएं'

'विश्वविद्यालय और शिक्षकों का मान बढ़ाएं'

भारत सबसे बड़ी शक्ति के रूप में उभरेगा : उप मुख्यमंत्री

तीन नवीन भवनों का किया लोकार्पण

957 को मिली उपाधि

डॉ. गौर विश्वविद्यालय भारत केंद्रित ज्ञान संस्थान के रूप में लगातार प्रगति कर रहा है : कुलपति

सागर सिटी | सागर, शनिवार 21 जून, 2025 | 3

आचरण

विश्वविद्यालय का 33 वाँ दीक्षांत समारोह संपन्न, बुन्देली वेश-भूषा में विद्यार्थियों ने प्राप्त की उपाधियाँ

अपने कर्तव्य का निष्ठापूर्वक निर्वहन करें यही सबसे बड़ा धर्म है: जगतगुरु स्वामी रामभद्राचार्य

रामभद्राचार्य को मिली डी लिट की उपाधि, विद्यार्थी समाज के उत्थान के लिए शिक्षा का सदुपयोग करें: शुक्ल

विद्यार्थी समाज के उत्थान के लिए शिक्षा का सदुपयोग करें: शुक्ल

मेधावी विद्यार्थियों को अतिथियों ने प्रदान किये स्वर्ण पदक एवं प्रमाण पत्र

तीन नवीन भवनों का किया लोकार्पण

दीक्षांत का यह अवसर भावुकता, खुशी और आत्मविश्वास का क्षण है : राजपूत

पुस्तकालय परिसर से निकली विद्वत शोभायात्रा

मौसम खराब होने के कारण समारोह में शामिल नहीं हो सके

सत्ता सुधार | सागर | 03 | सागर, शनिवार 21 जून 2025

मानवीय मूल्यों, धार्मिक और सामाजिक आदर्शों को आत्मसात करना ही शिक्षा का उद्देश्य है : केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी

अपने कर्तव्य का निष्ठापूर्वक निर्वहन करें यही सबसे बड़ा धर्म है : पद्म विभूषण जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य

- विद्यार्थी मानवीय मूल्यों के साथ स्वयं को जनकल्याणकारी कार्यों में लगायें: कुलाधिपति
- विद्यार्थी समाज के उत्थान के लिए शिक्षा का सदुपयोग करें: उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल
- विश्वविद्यालय का 33वाँ दीक्षांत समारोह संपन्न, बुन्देली वेश-भूषा में विद्यार्थियों ने प्राप्त की उपाधियाँ

विद्यार्थी समाज के उत्थान के लिए शिक्षा का सदुपयोग करें: उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल

विश्वविद्यालय ने पद्म विभूषण जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी को प्रदान की मानद डी. लिट्. उपाधि

मानवीय मूल्यों, धार्मिक और सामाजिक आदर्शों को आत्मसात करना ही शिक्षा का उद्देश्य है : केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी

भव्यता के साथ पुस्तकालय परिसर से

विद्यार्थी मानवीय मूल्यों के साथ स्वयं को जनकल्याणकारी कार्यों में लगायें: कुलाधिपति

विद्यार्थी जहाँ भी रहें अपने विश्वविद्यालय और शिक्षकों का मान बढ़ाएं- डॉ. लता वानखेड़े

डॉ. गौर विश्वविद्यालय भारत केंद्रित ज्ञान संस्थान के रूप में लगातार प्रगति कर रहा है: कुलपति

विभिन्न अध्ययनशालाओं के मेधावी विद्यार्थियों को अतिथियों ने प्रदान किये स्वर्ण पदक एवं प्रमाण पत्र

अतिथियों ने किया तीन नवीन भवनों का लोकार्पण

डॉ. हरिसिंह गौर यूनिवर्सिटी का 33वां दीक्षांत समारोह

दीक्षांत समारोह

शिक्षा से ही देश बनेगा विश्व गुरु : नितिन गडकरी

स्टार समाचार | सागर

सागर के डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय का 33वां दीक्षांत समारोह शुक्रवार को आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय परिसर स्थित गौर प्रांगण में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी वर्चुअली जुड़े। इस दौरान जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य को मानद डी लिट् की उपाधि से सम्मानित किया गया। वहीं विश्वविद्यालय के 957 छात्र-छात्राओं को उपाधि दी गई। कार्यक्रम में वर्चुअली जुड़े केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि हमारे पास दुनिया की सर्वश्रेष्ठ तकनीक है। गरीबी, भुखमरी और बेरोजगारी को दूर करना है। हरगांव में बिजली, पानी, स्वास्थ्य और सड़क की व्यवस्था करनी है। इसके लिए ताकत और इच्छाशक्ति की जरूरत है, जो शिक्षा से ही संभव होगा। उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने संबोधन में कहा कि यह 21वीं सदी का भारत है। हम विश्व की तीसरी सबसे बड़ी इकॉनोमी बनने जा रहे हैं। भारत 2047 तक सबसे बड़ी शक्ति के रूप में उभरेगा। यही नया भारत है। भारत विश्व बंधुत्व और वसुधैव कुटुम्बकम की संकल्पना पर कार्य करने वाला राष्ट्र है। आप सभी इस देश के लिए कार्य करें। आप सबके सामने सुनहरा भविष्य है।

दीक्षांत का यह मौका खुशी और आत्मविश्वास का क्षण है

कैबिनेट मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि आज का दिन बहुत ही भावुकता का दिन है। जिनको डिग्री मिल रही है,वह बहुत ही भाग्यशाली है। एक जमाने में लोग कहते थे कि यहां स्याही नहीं मिलती थी। डॉ. गौर ने इस विश्वविद्यालय की स्थापना की। मेरे छात्र जीवन में यहां कभी दीक्षांत समारोह नहीं हुआ करता था। आप भाग्यशाली हैं कि आप एक इतने बड़े और भव्य आयोजन का हिस्सा बन रहे हैं। उन्होंने डॉ. गौर के बारे में लिखी गई कवी मैथिली शरण गुप्त की पंक्तियों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय का नाम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर था, है और रहेगा। आप सभी ज्ञान प्राप्त करने के साथ ही देश और समाज की सेवा करने का संकल्प लें। देश का नाम रोशन करें।

नेता बनने के बाद सब कुछ हो जाता है : स्वामी रामभद्राचार्य

दीक्षांत समारोह में स्वामी रामभद्राचार्य ने भ्रष्टाचार पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि विधायक या मंत्री बनने से पहले आदमी के पास कुछ नहीं होता, लेकिन बनने के बाद सब कुछ हो जाता है। उन्होंने कहा कि हर क्षेत्र में भ्रष्टाचार व्याप्त है, जिसे खत्म करना जरूरी है। छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जहां भी जाएं, अपना काम ईमानदारी से करें। उन्होंने अंग्रेजी के बढ़ते प्रयोग पर चिंता व्यक्त की। कहा कि समारोह में सभी के अंग्रेजी में बोलने से ऐसा लगा जैसे वे लंदन की कैंब्रिज यूनिवर्सिटी में बैठे हैं।

भारत केंद्रित ज्ञान संस्थान के रूप में लगातार

सागर। डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय का 33वां दीक्षांत समारोह शुक्रवार को आयोजित किया गया। समारोह में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए शिक्षकों, विद्यार्थियों की उपलब्धियों को रेखांकित किया।

मानवीय प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में चलाये जा रहे विभिन्न नवोन्मेषी एवं गुणवत्तापूर्ण योजनाओं को विश्वविद्यालय में क्रियान्वित कर रहा है।

संचालन डॉ. शालिनी चोइथरानी ने किया।

विभिन्न अध्ययनशालाओं के मेधावी विद्यार्थियों को अतिथियों ने प्रदान किये स्वर्ण पदक एवं प्रमाण पत्र - विश्वविद्यालय के विभिन्न अध्ययनशालाओं के मेधावी विद्यार्थियों को अतिथियों ने स्वर्ण पदक और प्रमाण-पत्र प्रदान किया। इस दीक्षांत समारोह के लिए 1225 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया था जिसमें स्नातक के 482, पीजी 426 एवं पीएच.डी. के 49 छात्रों सहित कुल 957 छात्रों ने उपस्थित होकर उपाधि प्राप्त की।

डिजीलॉकर पर भी रिलीज हुई उपाधि, समारोह का किया, विशेषन समारोह का हुआ लाइव प्रसारण

हमें 21वीं सदी के भारत का निर्माण करना है: गडकरी

विद्यार्थी समाज के उत्थान के लिए शिक्षा का सदुपयोग करें- उप मुख्यमंत्री

सागर विश्वविद्यालय का 33वाँ दीक्षांत समारोह संपन्न, बुन्देली वेश-भूषा में विद्यार्थियों ने प्राप्त की उपाधियाँ

जिसे भारत में रहना है, उसे वंदे मातरम् कहना होगा : पद्म विभूषण जगद्गुरु रामभद्राचार्य

957 छात्रों ने उपस्थित होकर उपाधि प्राप्त की, समारोह में बुंदेली नृत्य की हुई प्रस्तुति

दीक्षा समारोह

शोभायात्रा निकाली

डिग्री पाकर खिले विद्यार्थियों के चेहरे

डॉ. गौर सेंट्रल यूनिवर्सिटी ने रचा इतिहास

79 साल में पहली बार डी-लिट की उपाधि

गडकरी दीक्षांत समारोह से वर्चुअली जुड़े, कहा- हर समस्या का हल इच्छाशक्ति

भास्कर संवाददाता | सागर

प्रदेश की इकलौती सेंट्रल यूनिवर्सिटी डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय ने शुक्रवार को दीक्षांत समारोह के दौरान नया इतिहास रचा। विश्वविद्यालय ने अपनी स्थापना के 79 वें साल में पहली बार डी-लिट (डॉक्टर ऑफ लेटर्स) की उपाधि प्रदान की। विवि सभागार में हुए दीक्षांत समारोह में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने तुलसी पीठ के संस्थापक जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य को डी-लिट की उपाधि प्रदान की। डी-लिट की उपाधि शिक्षा, साहित्य और अध्यात्म के क्षेत्र में उत्कृष्ट और

जाती है। जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य महाकाव्य, टीकाओं और धार्मिक ग्रंथ

भ्रष्टाचार पर कटाक्ष

स्वामी रामभद्राचार्य ने अपने संबोधन के दौरान भ्रष्टाचार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि विधायक या मंत्री बनने से पहले आदमी के पास कुछ नहीं होता, लेकिन बनने के बाद सब कुछ हो जाता है। उन्होंने कहा कि हर क्षेत्र में भ्रष्टाचार व्याप्त है, जिसे खत्म करना जरूरी है। उन्होंने छात्रों से कहा कि जहां भी जाएं, अपना काम ईमानदारी से करें। उन्होंने अंग्रेजी के बढ़ते प्रयोग पर चिंता व्यक्त की।

विवि का 33वां दीक्षांत समारोह संपन्न, बुन्देली वेश भूषा में विद्यार्थियों ने प्राप्त की उपाधियां

दीक्षांत का अर्थ दीक्षा का अंत नहीं है बल्कि यह सुनहरे भविष्य की शुरूआत: रामभद्राचार्य जी

सागर / राज न्यूज नेटवर्क

डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय का 33वां दीक्षांत समारोह शुक्रवार को गौर प्रांगण में आयोजित किया गया। समारोह में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी वर्चुअली जुड़े। इस अवसर पर प्रख्यात मनीषी, रचनाकार, साहित्य एवं संस्कृत मर्मज्ञ, समाजसेवी पद्म विभूषण जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी को विश्वविद्यालय द्वारा डी. लिट् की उपाधि प्रदान की गई। इसके साथ विश्वविद्यालय के 957 छात्र छात्राओं को उपाधि दी गई।

भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए हर क्षेत्र में विकास जरूरी: केंद्रीय मंत्री गडकरी

मेधावी विद्यार्थियों को अतिथियों ने प्रदान किए स्वर्ण पदक एवं प्रमाण पत्र

विश्वविद्यालय का 33वां दीक्षांत समारोह संपन्न, बुंदेली वेश-भूषा में विद्यार्थियों ने प्राप्त की उपाधियां

मानवीय मूल्यों के साथ ही धार्मिक और सामाजिक आदर्शों को आत्मसात करना शिक्षा का सही उद्देश्य : केंद्रीय मंत्री गडकरी

हरिभूमि न्यूज ›› सागर

जबलपुर, शनिवार 21.06.2025 जबलपुर एक्सप्रेस 05

सागर-दमोह-पन्ना

विश्वविद्यालय का 33वां दीक्षांत समारोह... अपने कर्तव्य का निष्ठापूर्वक निर्वहन करें यही सबसे बड़ा धर्म है: जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी

विद्यार्थी समाज के उत्थान के लिए शिक्षा का सदुपयोग करें : शुक्ल

बुंदेली वेशभूषा में विद्यार्थियों ने प्राप्त की उपाधियाँ

विवि का 33 वां दीक्षांत समारोह संपन्न, बुन्देली वेश भूषा में विद्यार्थियों ने प्राप्त की उपाधियां

मानवीय मूल्यों, धार्मिक और सामाजिक आदर्शों को आत्मसात करना ही शिक्षा का उद्देश्य : गडकरी

अपने कर्तव्य का निष्ठापूर्वक निर्वहन करें यही सबसे बड़ा धर्म है : जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य

मेधावी विद्यार्थियों को अतिथियों ने प्रदान किये स्वर्ण पदक एवं प्रमाण पत्र

वर्ष 13 | अंक 318 | छतरपुर, शनिवार 21 जून 2025 | पृष्ठ 16

मानवीय मूल्यों, धार्मिक और सामाजिक आदर्शों को आत्मसात करना ही शिक्षा का उद्देश्य है- केंद्रीय मंत्री नितिन गड

-अपने कर्तव्य का निष्ठापूर्वक निर्वहन करें यही सबसे बड़ा धर्म है- पद्म विभूषण जगद्गुरु स्वामी राम
-विद्यार्थी मानवीय मूल्यों के साथ स्वयं को जनकल्याणकारी कार्यों में लगायें- कुलाधिपति
-विद्यार्थी समाज के उत्थान के लिए शिक्षा का सदुपयोग करें- उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल
-विश्वविद्यालय का 33वाँ दीक्षांत समारोह संपन्न, बुन्देली वेश-भूषा में विद्यार्थियों ने प्राप्त की उपाधिय

विजय निरंकारी

परिहार गर्जना न्यूज। सागर. डॉक्टर हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय, सागर का 33वां दीक्षांत समारोह गौर प्रांगण में अपरान्ह 12.00 बजे से आयोजित किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री नितिन गडकरी, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री, भारत सरकार, विशिष्ट अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश के उपमुख्य मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल, गौर अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत एवं सागर लोक सभा क्षेत्र की सांसद डॉ. लता वानखेड़े ... समारोह की ...

पद्म विभूषण जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी को विश्वविद्यालय द्वारा मानद डी. लिट्. उपाधि प्रदान की गई. कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने यह उपाधि प्रदान की और उन्हें प्रशस्ति पत्र भेंट किया. प्रशस्ति-पत्र का वाचन डॉ. शालिनी ने किया.

भव्यता के साथ पुस्तकालय परिसर से निकली विद्वत शोभायात्रा

कार्यक्रम में लोकवाद्य एवं मंगलाचरण के साथ अकादमिक विद्वत शोभायात्रा समारोह स्थल तक पहुँची. प्रभारी कुलसचिव डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय ने विश्वविद्यालय ध्वज के साथ ... की आगवानी की.

ने आशीर्वचन देते हुए उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की. उन्होंने कहा कि दीक्षांत का अर्थ दीक्षा का अंत नहीं है बल्कि यह एक ... भविष्य की शुरुआत है. उन्होंने ...

के लिए कार्य करने पर बल देते हुए कहा कि भारत सोने की चिड़िया ही नहीं सोने का सिंह बनेगा. जिस क्षेत्र में भी कार्य करें अपना सर्वश्रेष्ठ दें. अपने कर्तव्य का निर्वहन करें. यही सबसे बड़ा धर्म है. उन्होंने श्री मद भागवत गीता का उदाहरण देते हुए कहा कि कर्म करिए, फल की चिंता मत करिये. प्रत्येक भारतीय को निष्ठा से कार्य करना चाहिए, इसी से व्यक्ति की प्रतिष्ठा होगी. उन्होंने युवाओं से अपील की कि हमें नया इतिहास रचना है. नवाचार करना है और अत्याचार, भ्रष्टाचार, कदाचार को जड़ से समाप्त करना है. ऑपरेशन सिन्दूर के माध्यम से भारत ने पूरे विश्व को एक सन्देश दिया है कि भारत अब महाशक्ति है. कोई इसकी तरफ बुरी नजर से आँख उठाकर नहीं देख ... मैं कहता हूँ कि बेटियां ...

मानवीय मूल्यों, धा... सामाजिक आदर्शों को ... करना ही शिक्षा का उद्दे... मंत्री नितिन गडक...

समारोह के मुख्य अतिथि ... गडकरी, केंद्रीय सड़क परि... राजमार्ग मंत्री, भारत सरकार ने ... कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से दीक्षांत ... देते हुए कहा कि दीक्षांत विद्यार्थि... जीवन का सबसे महत्वपूर्ण अवसर ... है. इस विवि के विद्यार्थी भाग्यशाल... जिन्हें डॉ. गौर द्वारा दान की गई संपत्ति ... बने विश्वविद्यालय में अध्ययन करने ... मौका मिला. उन्होंने पदक एवं उपाधि प्रा... करने वाले सभी विद्यार्थियों को जीवन में सदैव बेहतर कार्य करने की प्रेरणा देते हुए कहा कि शिक्षा से व्यक्ति ज्ञानवान बनता है. हमारे देश की विशेषता रही है कि भारतीय ज्ञान परंपरा ने पूरे विश्व को हमेशा आलोकित किया है. हमारी संस्कृति, हमारी विरासत, ज्ञान एवं विज्ञान ... में आज विज्ञान और ...

भारत

आदर्शों को आत्मसात करना शिक्षा का उद्देश्य

भोपाल, शनिवार 21 जून 2025 | 10

- सागर विवि का 33वां दीक्षांत समारोह संपन्न
- बुन्देली वेश-भूषा में विद्यार्थियों ने प्राप्त की उपाधियाँ

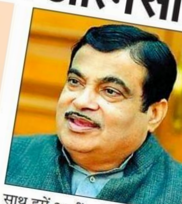

भोपाल 20 जून. केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि भगवान् बुद्ध ने अहिंसा का मार्ग दिखलाया था. मानवीय मूल्यों, धार्मिक आदर्शों, सामाजिक आदर्शों, त्याग, तपस्या, संस्कार, समन्वय, सौहार्द इन सभी मूल्यों को आत्मसात करना शिक्षा का उद्देश्य है.

हम इसी रास्ते आदर्श समाज का निर्माण कर सकते हैं. स्वामी विवेकानंद, अंबेडकर, गांधी, फुले जैसे विचारकों की सोच के साथ हमें 21वीं सदी के भारत का निर्माण करना है. उन्होंने कहा कि चरित्र ही व्यक्ति की पहचान है. शिक्षा के माध्यम से ही चरित्र का निर्माण किया जा सकता है. केंद्रीय मंत्री गडकरी ने डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय, सागर के 33वां दीक्षांत समारोह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए.

पद्म विभूषण जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य ने कहा कि दीक्षांत का अर्थ दीक्षा का अंत नहीं है बल्कि यह एक सुनहरे भविष्य की शुरूआत है. उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को राष्ट्र के लिए समर्पित होना चाहिए. यही दीक्षा का अर्थ है. जिस क्षेत्र में भी कार्य करें अपना सर्वश्रेष्ठ दें. अपने कर्तव्य का निर्वहन करें. यही सबसे बड़ा धर्म है. समाजसेवी पद्म विभूषण जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य को विश्वविद्यालय द्वारा मानद डी. लिट्. उपाधि ... की गई. उप मुख्यमंत्री रा... शुक्ल ने कहा कि भारत वि... बंधुत्व और वसुधैव कुटुम्बक... की संकल्पना पर कार्य करने वाला राष्ट्र है. शिक्षा का समाज के उत्थान के लिए सदुपयोग करें

देश एवं समाज की सेवा करें : मंत्री

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने कहा कि एक जमाने में लोग कहते थे कि यहाँ स्याही नहीं मिलती थी. डॉ. गौर ने इस विश्वविद्यालय की स्थापना की. कुलाधि... कन्हैयालाल ...

डॉ. गौर सेंट्रल यूनिवर्सिटी ने रचा इतिहास 79 साल में पहली बार डी-लिट की उपाधि

गडकरी दीक्षांत समारोह से वर्चुअली जुड़े, कहा- हर समस्या का हल इच्छाशक्ति

भ्रष्टाचार पर कटाक्ष

नईदुनिया | सागर | 2

बीना-खुरई • बंडा-शाहगढ़ • देवरी-गौरझामर • केसली

डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय का 33वां दीक्षांत समारोह संपन्न, बुन्देली वेश-भूषा में विद्यार्थियों ने प्राप्त की उपाधियां

मानवीय मूल्यों और सामाजिक आदर्शों को आत्मसात करना ही शिक्षा का उद्देश्य : गडकरी

Social Media Links:

https://khabardatanews.in/union-cabinet-minister-nitin-gadkari-will-be-the-chief-guest-on-june-20-the-33rd-convocation-of-the-university/

https://www.teenbattinews.com/2025/06/33-20.html?m=0

http://khabar1minit.blogspot.com/2025/06/33-20.html

https://www.eveningmirror.page/2025/06/blog-post_24.html

https://dainik.bhaskar.com/LVsZT5lglUb

https://navabharat.com/?p=232729

https://www.teenbattinews.com/2025/06/33.html?m=0

https://www.instagram.com/reel/DLHCQyrz5fp/?igsh=MW56bTZjdDY1YWQxYg==

https://youtu.be/RQBuj0IWoiQ

https://www.sagartvnews.com/news_only.php?newsidget=33191

https://youtu.be/bBoirHBQbHk

https://www.facebook.com/share/v/1682GgPusq/

https://jantantrasetunews.com/rsvh

https://www.instagram.com/reel/DLIJaEyThFW/?igsh=dmcwdWJiaHIzZzB1

https://www.instagram.com/reel/DLFleWwszpi/?igsh=cGxoN2xsbmhraGxv

https://play.google.com/store/apps/details?id=com.parsarbharti.airnews

https://www.sagarwatch.in/2025/06/convocation-ceremony.html

https://www.youtube.com/live/SN0WXRNRMMk?si=6cYmoUpXT38SctCa

SagarUniversity DoctorGour Doctor Harisingh Gour Vishwavidyalaya,Sagar

संकलन, चयन एवं संपादन

कार्यालय, जनसंपर्क अधिकारी

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

Email- mediaofficer@dhsgsu.edu.in **Website-** www.dhsgsu.edu.in